MITHILESH KUMAR MAHATHA.
Dept. of. political science
Adash college, Rajdhanwar.
sem- II , core- 3 / ge / gen
Indian government and politics

Scanned by CamScanner

2. भारतीय संविधान की विशेषताओं को लिखें

उत्तर :-

संविधान वह लिखित या अलिखित दस्तावेज है जिसके द्वारा किसी भी राज्य, समाज या राष्ट्र के शासन व्यवस्था का संचालन होता है। ब्रिटीश संविधान जहाँ एक ओर विश्व के समक्ष एक अलिखित संविधान का सर्वोत्तम रूप माना जाता है वहीं अमेरिकी संविधान विश्व की प्रथम लिखित संवैधानिक दस्तावेज माना जाता है। भारतीय संविधान भी एक लिखित एवं व्यापक संविधान है जिसे बनाने में 2 वर्ष 11 महीना और 18 दिन का समय लगा था। परन्तु यह ब्रिटीश भारत के अनेकानेक संवैधानिक विकास तथा कि-कि समय पर तैयार की गई भारत शासन अधिनियम के विभिन्न अंशों को लेकर तैयार की गई है। भारत के संविधान का एक बहुत बड़ा भाग भारत शासन अधिनियम 1935 से लिया गया है। इसके अलावा कि-कि देशों के संविधान से भी अनेक तत्वों को ग्रहण किया गया है जैसे - ब्रिटेन से संसदीय व्यवस्था, अमेरिका से मौलिक अधिकार, आयरलैंड से राज्य के नीति-निर्देशक तत्व आदि। भारतीय संविधान का निर्माण 'संविधान सभा' द्वारा किया गया है जिसकी प्रथम बैठक 9 दिसम्बर 1946 को डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा (अस्थाई अध्यक्ष) की अध्यक्षता में हुई। इसके स्थायी अध्यक्ष डा. राजेन्द्र प्रसाद (11 दिसम्बर 1946) बने। भारतीय 26 नवम्बर 1949 को बन कर तैयार

Scanned by CamScanner

हुआ। संविधान के कुछ अंशों को उसी समय से लागू कर दिया गया था एवं सम्पूर्ण संविधान का कार्यान्वयन 26 जनवरी 1950 से किया गया हो। भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं को निम्न रूपों में देखा जा सकता है :—

1. लिखित एवं विशाल संविधान
2. संसदीय प्रभुता तथा न्यायिक सर्वोच्चता में समन्वय
3. संसदीय शासन प्रणाली
4. नम्यता एवं अनम्यता का समन्वय
5. विश्व के प्रमुख संविधानों का प्रभाव
6. एकिकता की ओर उन्मुख संघीय प्रणाली
7. सम्प्रभुता सम्पन्न
8. साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व के बिना सार्वजनिक वयस्क मताधिकार
9. धर्म निरपेक्ष राज्य
10. स्वतंत्र न्यायपालिका
11. एकल नागरिकता
12. राज्य के नीति-निर्देशक तत्व
13. लोकतंत्रात्मक गणराज्य

इस प्रकार भारतीय संविधान, भारत जैसे विशाल और विविधता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया संविधान है जहाँ जाति, धर्म, वंश, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव वर्जित है साथ ही सबों के विकास का समान अवसर प्रदान किया है। कल्याणकारी राज्य के स्वरूप को साकार करने के लिए राज्य के नीतिनिर्देशक जैसे तत्वों का समावेश भी किया गया है।

Scanned by CamScanner

2. मौलिक अधिकार क्या है? भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त कुल अधिकार कितने है?

उत्तर:-

लॉस्की के शब्दों में "अधिकार मानव जीवन की वे परिस्थितियाँ है जिसके अभाव में व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास नही कर सकते है"

मौलिक अधिकार उन अधिकारों को कहा जाता है जो व्यक्ति के जीवन के लिए मौलिक होने के कारण संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदान किये जाते है और जिनमें राज्य हस्तक्षेप नही करता है। ये ऐसे अधिकार है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व के पूर्ण विकास के लिए आवश्यक है और जिनके बिना मनुष्य अपना सम्पूर्ण विकास नही कर सकता। ये अधिकार कई कारणों से मौलिक है:-

1. इन अधिकारों को मौलिक इसलिए कहा जाता है क्योंकि इन्हे देश के संविधान में स्थान दिया गया है तथा संविधान में संशोधन प्रक्रिया के अतिरिक्त उनमें किसी प्रकार का संशोधन नही किया जा सकता।
2. ये अधिकार व्यक्ति के प्रत्येक पक्ष के विकास हेतु हर रूप में आवश्यक है, इनके अभाव में व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास अवरुद्ध हो जाएगा।
3. इन अधिकारों का उल्लंघन नही किया जा सकता।
4. मौलिक अधिकार न्याय योग्य होते है तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समान रूप से प्राप्त होते है।

साधारण कानूनी अधिकार और कुल अधिकार में अन्तर

साधारण कानूनी अधिकारों को राज्य द्वारा लागू किया जाता है तथा उनकी रक्षा की जाती है जबकि मौलिक अधिकारों को देश के संविधान द्वारा लागू किया जाता है तथा संविधान

Scanned by CamScanner

द्वारा ही सुरक्षित किया जाता है

साधारण कानूनी अधिकारों में विधानमंडल द्वारा परिवर्तन किये जा सकते है परन्तु मौलिक अधिकारों में परिवर्तन करने के लिए संविधान में परिवर्तन आवश्यक है।

मौलिक अधिकार के प्रकार

भारतीय संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन संविधान के तीसरे भाग में अनुच्छेद 12 से 35 तक किया गया है। इन अधिकारों में 12, 13, 33, 34, तथा 35 का संबंध अधिकारों के सामान्य रूप से है। 44 वें संविधान संशोधन के पास होने के पूर्व संविधान में दिये गये मौलिक अधिकारों को सात श्रेणियों (सम्पत्ति के अधिकार सहित) में बांटा जाता था। वर्तमान में भारतीय संविधान में नागरिकों को छह मौलिक अधिकार प्राप्त है:-

1. समानता का अधिकार :- अनुच्छेद 14 से 18 तक
2. स्वतंत्रता का अधिकार :- अनुच्छेद 19 से 12 तक
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार :- अनुच्छेद 23 से 24 तक
4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार :- अनुच्छेद 25 से 28 तक
5. सांस्कृतिक तथा शिक्षा संबंधि अधिकार :- अनुच्छेद 29 से 30 तक
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार :- अनुच्छेद 32.

निष्कर्ष :-

इस प्रकार भारतीय संविधान द्वारा वर्तमान में भारतीय नागरिकों को छह मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है। ये अधिकार नागरिकों के सम्पूर्ण विकास को ध्यान में रखकर तैयार किए गए है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक उपचारों के अधिकार को माना गया है। सर्वोच्च न्यायालय, इन मौलिक अधिकारों का संरक्षक है। नागरिक अपने अधिकारों की हनन की स्थिति में प्रथम हस्तक्षेप भी सर्वोच्च न्यायालय जा सकता है। इस कारण भी इसे मौलिक अधिकार कहा जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन मौलिक नहीं है ?
   a. नैसर्गिक न्याय का अधिकार b. जीवन का अधिकार
   c. गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार
   d. असमान परिस्थितियों में समानता का अधिकार
   उत्तर :- d. असमान परिस्थितियों में समानता का अधिकार

2. अर्द्धन्यायिक रूप से निरुद्ध किये जाने पर न्यायालय द्वारा कौन सा आदेश जारी किया जायेगा ?
   a. बन्दी प्रत्यक्षीकरण b. परमादेश
   c. निषेध (प्रतिषेध) d. अधिकार पृच्छा
   उत्तर :- a- बन्दी प्रत्यक्षीकरण

3. भारतीय संविधान बनकर तैयार कब हुई
   a. 26 नवम्बर 1949 b. 26 जनवरी 1949
   c. 11 दिसम्बर 1946 d. 26 जनवरी 1950
   उत्तर :- a. 26 नवम्बर 1949

4. संसदीय प्रणाली किस देश से ली गई है ?
   a. अमेरिका b. कनाडा c. ब्रिटेन d. फ्रांस
   उत्तर - c - ब्रिटेन

5. संघीय व्यवस्था किस देश से ली गई है ?
   a. कनाडा b. द. अफ्रीका c. अमेरिका d. जर्मनी
   उत्तर a. कनाडा

Scanned by CamScanner

6. भारत की संघात्मक व्यवस्था में तीन सूचियों में शक्ति विभाजन किया गया है—
a. अमेरिका के संविधान से b. कनाडा के संविधान से
c. आस्ट्रेलिया के संविधान से d. भारत शासन अधि. 1935 से
उत्तर d- भारत शासन अधिनियम 1935 से

7. किसने भारत के संविधान को अर्द्ध-संघात्मक के रूप में परिभाषित किया है:
a. जैनिंग्स b. के. टी. शाह c. सी. एफ. स्ट्रांग
d. के. सी. व्हीयर
उत्तर d- के. सी. व्हीयर

8. भारतीय संविधान के अनुच्छेद-14 का 'विधि के समक्ष समानता' का वाक्यांश लिया गया है—
a. ब्रिटेन के संविधान से b. यू. एस. ए. के संविधान से
c. फ्रांस के संविधान से d. जापान के संविधान से
उत्तर:- a. ब्रिटेन के संविधान से

9. संविधान के अनुच्छेद 13 का मुख्य उद्देश्य निम्न में से किसके संबंध की सर्वोच्चता सुनिश्चित करता है?
a. राज्य के नीति-निर्देशक b. मौलिक कर्त्तव्य
c. मौलिक अधिकार d. उपरोक्त सभी
उत्तर- c- मौलिक अधिकार

10. (भारतीय संघवाद पर दृष्टिकोण) (लेखक)
a. शासन प्रणाली जो अर्द्ध-संघात्मक है - a. अलेक्जेंड्रोविच
b. एक अनूठे नमूने का संघ - b. आस्टिन
c. अद्वितीय उदाहरण। - c. जेनिंग्स
d. संघात्मक होते हुए भी राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए
उत्तर:- a-4, b-2, c-1, d-3

Scanned by CamScanner